

के आने की आहट होना; पत्ता न हिलना- जरा भी हवा न चलना; पत्ता हो जाना- तेजी से दौड़कर अदृश्य हो जाना; पत्ता लगना- पत्ते के लगातार टकराने या सटे रहने से फल का दागी हो जाना, सड़ जाना 2. कान का आभूषण 3. कागज का चौकोर या गोल अंश या खंड यथा- ताश का पत्ता 4. धातु का पत्तर 5. नाव चलाने के काम आने वाला लकड़ी के डंडे (चप्पू) का वह भाग जिसपर तख्ती लगी रहती है 6. पत्ते में रखकर खाई जाने वाली चीजे यथा- दो पत्ते पापड़ी के दे दे।

पत्ति पुं. (तत्.) 1. पैदल सिपाही, प्यादा 2. पैदल चलने वाला व्यक्ति 3. योद्धा, वीर, शूरवीर 4. नायक 5. सेना का प्राचीन कालीन वह सबसे छोटा विभाग जिसमें एक रथ, तीन घोड़े, एक हाथी तथा पाँच पैदल सैनिक होते थे 6. गति।

पत्तिक पुं. (तत्.) पैदल चलने वाला।

पत्तिगणक पुं. (तत्.) 1. प्राचीनयुगीन सेना का एक विशिष्ट अधिकारी, जो पैदल चलने वाले सैनिकों की गिनती करने तथा उन्हें एकत्रित करने का कार्य करता था।

पत्ती पुं. (तद्.) 1. पैदल चलने वाला, पैदल यात्री 2. पैदल सैनिक, सिपाही 3. छोटा पत्ता 4. भाग, हिस्सा यथा- उसने इस काम में अपनी पत्ती रख ली स्त्री. 5. फूल की एक पंखुड़ी यथा- गुलाब के फूल सी पत्ती 6. भाँग के पौधे में लगने वाली छोटी पत्ती 7. लकड़ी या धातु का पतला टुकड़ा, पट्टी 8. लोहे का पतला छोटा पत्तर, जिससे दीवार में मसाला भरा या चिपकाया जाता है 9. राजपूतों की एक जाति।

पत्तीदार वि. (हि.पत्ती+फा.दार) 1. ऐसा पौधा या वृक्ष जिसमें पत्ते हो 2. जिसका किसी व्यवसाय में किसी के साथ साझा हो।

पत्तूर पुं. (तत्.) 1. शांति नामक शाक 2. जल पीपल 3. पतंग नामक पेड़ की डंडी या लकड़ी 4. लाल चंदन 5. पाकड़ का वृक्ष।

पत्थर पुं. (तद्.) 1. पृथ्वी के कड़े स्तर का पिंड, अथवा खंड जो कि धातुओं से भिन्न होता है 2. खानों या पर्वतों में से खोद या काटकर निकाला हुआ भू-द्रव्य या खंड 3. सड़क पर लगा हुआ वह पत्थर जो स्थान विशेष की दूरी दर्शाता है; यथा- मील का पत्थर 4. नीलम, पन्ना, हीरा आदि रत्न 5. पत्थर जैसी कठोर वस्तु या व्यक्ति यथा- आपका हृदय पत्थर जैसा है जो कभी नहीं पसीजता मुहा. पत्थर की लकीर- सदैव बनी रहने वाली सार्वकालिक स्थिति, अमिट; पत्थर निचोड़ना- अनहोनी को होनी या असंभव को संभव करना; पत्थर पसीजना- कठोर हृदय में नरमी आना, अत्याचारी के मन में दया आना; पत्थर पिघलना- कठोर हृदय में नरमी आना; पत्थर से सिर फोड़ना/मारना- असंभव को संभव बनाने हेतु प्रयास करना; पत्थर पड़ना- चौपट हो जाना, नष्ट भ्रष्ट हो जाना।

पत्थर-कला स्त्री. (तद्.) पुरानी पद्धति की एक बंदूक जिसमें बारूद सुलगाने हेतु चकमक पत्थर लगा रहता था, चौपदार बंदूक, पलीतेदार बंदूक।

पत्थर-फोड़ा वि. (तद्.) पत्थर तोड़ने का कार्य करने वाला, संगतराश।

पत्थरबाज वि. (तद्.+फा.बाज) 1. पत्थर फेंककर किसी को मारने या निशाना साधने वाला 2. निरंतर पत्थर फेंकने में अभ्यस्त, ढेलवाह, ढेलबाज।

पत्थरबाजी स्त्री. (तद्.+फा.बाजी) पत्थर फेंकने की क्रिया, पत्थर फेकई।

पत्नी स्त्री. (तत्.) 1. विवाहिता स्त्री, वह रिश्ता जो स्त्री के किसी पुरुष से विवाह से बना हो 2. भार्या, जोरू, दयिता, कलत्र, वधू, सहधर्मिणी, दारा, सहचारी, परिणीता।

पत्नीव्रत पुं. (तत्.) 1. अपनी विवाहिता पत्नी मात्र से गमन करने वाला या करने का संकल्प लेने वाला 2. अपनी विवाहिता स्त्री के अतिरिक्त